जामिया मिल्लिया इस्लामिया

16 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जम्मू कश्मीर पंहुचे जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जे-के हॉस्टलर्स ने जेएमआई और एमएचआरडी अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में जम्मू-कश्मीर से कुल 22 हॉस्टलर (13लड़के, 9लड़कियां) को कोविड-19 की वजह से लगे लॉकडाउन के बीच विश्वविद्यालय ने एक विशेष बस से उन्हें उनके घरों तक भेजने का इंतेज़ाम किया।

विश्वविद्यालय ने एमएचआरडी के उच्च शिक्षा मामलों के सचिव श्री अमित खरे के सक्रिय समर्थन और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के समन्वय से इस काम को अंजाम दिया। नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और रेजिडेंट कमिश्नर ने भी छात्रों को उनके घर वापस भेजने में अपना पूरा सहयोग दिया। चूंकि लॉकडाउन के कारण विश्वविद्यालय बंद है और सभी शिक्षण कार्य ऑनलाइन संचालित किए जा रहे हैं, इसलिए मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, यूपी और अन्य राज्यों के छात्रावासों में रहने वाले छात्र भी घर वापस जाने के लिए बेताब हैं और विश्वविद्यालय से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं ।

जम्मू कश्मीर के छात्र 10 मई 2020 को विश्वविद्यालय द्वारा व्यवस्थित विशेष बस से श्रीनगर के लिए रवाना हुए थे। उनके साथ विश्वविद्यालय के दो सुरक्षा गार्ड (सेना के पूर्व जवान) भी थे।

श्रीनगर पहुंचने पर सरकार के एसओपी निर्देशों के अनुरूप उन्हें क्वारेंटाइन किया गया और कोरोना वायरस के लिए मेडिकल टेस्ट किए गए । अधिकांश छात्र टेस्ट में निगेटिव पाए जाने के बाद अपने घर चले गए हैं जबकि कुछ छात्रों के परिणाम का अभी इंतजार है।

श्रीनगर जाने के रास्ते में भी छात्रों की तीन जगह मेडिकल स्कैनिंग की गई।

छात्रावासों में रहने के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा लागू पूर्ण क्वारेंटाइन की वजह से छात्र इस घातक वायरस से सुरक्षित रहे।

अपने घर पंहुचने पर छात्रों ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, एमएचआरडी के मुख्य सचिव और जम्मू कश्मीर प्रशासन को, हॉस्टल में रहने के दौरान लगातार मदद और हौसला देने के लिए दिल को छू देने वाले संदेशों के ज़रिए आभार जताया है (कुछ छात्रों के संदेश संलग्न हैं) ।

कुलपति प्रो. नजमा अख्तर के नेतृत्व में रजिस्ट्रार एपी सिद्दीकी (आईपीएस), ओएसडी प्रशासन श्री तनवीर ज़ेड अली (रिटायर्ड आईएएस), डीएसडब्ल्यू प्रो मेहताब आलम, चीफ प्रॉक्टर प्रो वसीम ए खान, ब्वॉयज

एंड गर्ल्स हॉस्टल के प्रोवोस्ट्स, वार्डन और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों की सुरक्षित और सुचारू यात्रा के लिए टीम के रूप में काम किया।

लॉकडाउन की घोषणा के समय बड़ी संख्या में छात्र हॉस्टल में थे। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जामिया ने सभी छात्रावासों को छात्रावास परिसर में रहने के लिए कहा और उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने लगातार हॉस्टल और मेस सुविधा, और हॉस्टलर्स द्वारा मांगी गई किसी भी अन्य सहायता को सुनिश्चित किया।

जामिया प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोडी कि हॉस्टलर्स अपने घरों तक सुरक्षित पहुंच सकें। छात्रों से अनुरोध है कि विश्वविद्यालय से उचित वैरिफिकेशन के बिना किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट या संदेशों पर विश्वास न करें।

जिन अन्य राज्यों के छात्र अभी छात्रावासों में रह रहे हैं, उन्हें उनके घर वापस भेजे जा सकने के लिए विश्वविद्यालय उन राज्य सरकारों के अधिकारियों से लगातार संपर्क में है।

कोविड-19 महामारी से अपने छात्रों को बचाने के लिए विश्वविद्यालय का अपने छात्रों और अन्य सभी हितधारकों से सहयोग और समर्थन पाना महत्वपूर्ण है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक